ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 29 जुलाई 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 112

चीन में बच्चा पैदा करने पर 1.30 लाख देगी सरकार:वन चाइल्ड पॉलिसी की वजह से 7 साल में जन्मदर आधी हुई, 21% आबादी बुजुर्ग

24 न्यूज अपडेट

चीन में बच्चा पैदा करने पर सरकार ने माता-पिता को 1.30 लाख रुपए देने का फैसला किया है। सरकार ने यह कदम जन्मदर में लगातार हो रही कमी को लेकर उठाया है।

चाइना डेली की रिपोर्ट के मुताबिक बच्चे के जन्म के बाद सरकार लगातार 3 साल तक माता-पिता को सालाना 3600 युआन (करीब 44,000 रुपए) देगी।

चीन की 21% आबादी की उम्र 60 साल से ज्यादा है। चीन ने करीब एक दशक पहले अपनी विवादास्पद "वन चाइल्ड पॉलिसी" खत्म कर दी थी, लेकिन इसके बावजूद जन्म दर कम होती जा रही है।

दुनिया के बड़े देशों में चीन की जन्म दर सबसे कम है और यह लगातार घटती जा रही है। 2016 में चीन में 1.8 करोड़ बच्चे पैदा हुए थे। 2023 में यह संख्या 90 लाख पर आ गई।

सिर्फ 7 साल में चीन में बच्चे पैदा होने की रफ्तार में 50% फीसदी कमी आई। 2024 में इसमें थोड़ा इजाफा हुआ और यह 95 लाख हुई, लेकिन जनसंख्या में कुल गिरावट जारी रही क्योंकि मृत्यु दर जन्म दर से अधिक रही।

तीन साल से कम उम्र के बच्चों को मिलेगा फायदा

जिन माता-पिता के बच्चों की उम्र तीन साल से कम है, उन्हें सरकार हर साल नकद पैसे देगी। ये योजना 1 जनवरी 2025 से लागू मानी जाएगी। इसमें वो बच्चे भी शामिल होंगे जिनकी उम्र अभी तीन साल से कम है। ऐसे बच्चे जिनके पास चीनी नागरिकता है, उन्हें तीन साल का होने तक प्रति वर्ष 3,600 युआन (करीब 502 अमेरिकी डॉलर) दिए जाएंगे।

अगर कोई बच्चा पहले पैदा हुआ है, लेकिन अभी तीन साल से छोटा है, तो उसे भी उतने महीने के हिसाब से पैसे मिलेंगे, जितने महीने वो इस योजना के दायरे में आता है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि ये पहली बार है जब पूरे देश में एक जैसी बाल देखभाल सब्सिडी दी जा रही है। इससे लगभग दो करोड़ परिवारों को हर साल फायदा मिलने की उम्मीद है। कई चीनी राज्य भी ऐसी स्कीम चला रहे

पहले चीन के अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग तरह की योजनाएं चलती थीं, जिनमें ज्यादातर सब्सिडी सिर्फ दूसरे या तीसरे बच्चे पर दी जाती थी, लेकिन इस नई योजना में पहले, दूसरे और तीसरे सभी बच्चों को बराबर मदद दी जाएगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ सालों में चीन में पहले बच्चे के जन्म में सबसे ज्यादा गिरावट आई है, इसलिए ये योजना इस समस्या को भी ठीक करने में मदद करेगी

साथ ही यह भी कहा गया कि केवल पैसे देने से ही जन्म दर नहीं बढ़ेगी, बल्कि इसे मातृत्व छुट्टी, बच्चों की देखभाल सेवाओं, स्कूलों और घर जैसी दूसरी सुविधाओं से भी जोड़ना जरूरी है।

सरकार की योजना है कि अगस्त 2025 के अंत तक पूरे देश में इस सब्सिडी के लिए आवेदन लेना शुरू कर दिया जाएगा। चीन सरकार अलग-अलग क्षेत्रों को उनके आर्थिक हालात के हिसाब से मदद देगी और स्थानीय सरकारें चाहें तो अपनी तरफ से सब्सिडी की राशि बढ़ा भी सकती हैं, लेकिन उसका खर्च उन्हें खुद उठाना होगा।

फिंगरप्रिंट के जरिए कर सकेंगे UPI पेमेंट:जल्द मिल सकती है नई सुविधा, अभी लेनदेन के लिए PIN का इस्तेमाल होता है

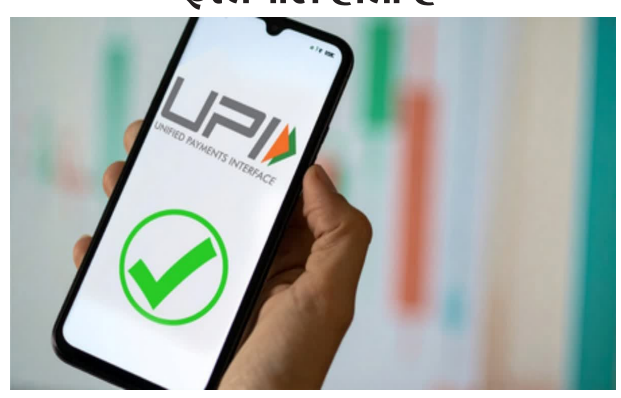

24 न्यूज अपडेट

UPI यूजर्स जल्द ही फेस या फिंगरप्रिंट के जरिए पेमेंट कर पाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार UPI को ऑपरेट करने वाली एजेंसी NPCI बायोमेट्रिक के जरिए पेमेंट की सुविधा देने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद UPI पेमेंट करने के लिए पिन की जरूरत ऑप्शनल हो जाएगी। बायोमेट्रिक पेमेंट में पहचान फिंगरप्रिंट, फेस ID जैसी अनोखी शारीरिक विशेषताओं से होगी। ये PIN या पासवर्ड से ज्यादा सुरक्षित और आसान है, क्योंकि इसे कॉपी करना मुश्किल है। जैसे आप अपने स्मार्टफोन को फिंगरप्रिंट और फेस ID के जरिए अनलॉक कर पाते हैं।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी, NPCI इस अपडेट पर काम कर रहा है। वो चाहते हैं कि UPI पेमेंट और सुरक्षित और सुविधाजनक हो। हालांकि, सटीक तारीख का ऐलान नहीं हुआ है। कुछ महीनों में UPI एप्स में ये अपडेट दिख सकता है।

PIN की तुलना में बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन से फ्रॉड का खतरा कम रहता है। वहीं ये सिस्टम तेज और ज्यादा आसान होगा। खासकर उन लोगों के लिए जो PIN याद रखने में दिक्कत महसूस करते हैं।

गूगल पे, फोनपे, पेटीएम जैसे सभी बड़े UPI एप्स इसे सपोर्ट कर सकते हैं। लेकिन शुरुआत में कुछ चुनिंदा एप्स में पायलट टेस्टिंग हो सकती है।

राहुल बोले- दम है तो PM कहें कि ट्रम्प झूठे:प्रियंका बोलीं- लोग सरकार भरोसे कश्मीर गए, सरकार ने उन्हें भगवान भरोसे छोड़ा

24 न्यूज अपडेट

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर दूसरे दिन बहस में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाषण दिया। राहुल ने कहा- ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने युद्ध रुकवाया। अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं।

राहुल ने कहा- आपने यह बता दिया कि आपके पास लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं है। सरकार ने पायलट्स के हाथ-पांव बांध दिए। अगर पीएम में इंदिरा गांधी की तरह 50 प्रतिशत भी दम है तो कहें कि ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान में सीजफायर नहीं कराया। कह दीजिए कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा है।

राहुल से पहले प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- लोग सरकार के भरोसे पहलगाम गए थे, लेकिन सरकार ने उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया। पहलगाम में जब लोगों को मारा जा रहा था, तब वहां एक भी सुरक्षाकर्मी नहीं दिखा। पीएम ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय लेने आगे आ जाते हैं, जिम्मेदारी लेने क्यों नहीं आते।

1. सीजफायर को लेकर राजनाथ सिंह के भाषण पर

राहुल गांधी ने कहा- कल राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर रात 1:05 बजे शुरू हुआ और 1:35 बजे हमने पाकिस्तान को फोन करके बताया कि हमने मिलिट्री ठिकानों पर हमला नहीं किया है। दो लोगों के बीच लड़ाई हो रही थी, एक आदमी ने दूसरे को सीधे जाकर यह बताया कि आपके पास लड़ने की पॉलिटिकल विल है ही नहीं आप लड़ना ही नहीं चाहते हो। हमने 35 मिनट में सरेंडर कर दिया।

2. जंग में भारत के 5 फाइटर जेट गिरने के दावे पर

राहुल ने कहा- कैप्टन शिवकुमार (डिफेंस अटैची इंडोनेशिया) ने कहा कि भारत ने कुछ एयरक्राफ्ट्स खोए हैं। यह इसलिए हुआ क्योंकि हमने उनके सैनिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया। न हमें इसके लिए कहा गया। मतलब आपने उनके हाथ बांध दिए। अगर आपने लोकसभा में चीन और पाकिस्तान के बारे में मेरी कही बात सुनी होती, तो आपको वो 5 जेट नहीं गंवाने पड़ते।

3. व्हाइट हाउस में ट्रम्प के साथ पाकिस्तान आर्मी चीफ के लंच पर

राहुल गांधी ने कहा- विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने पाकिस्तान को रोका। सच में? भारत में आतंकवाद फैलाने वाले असीम मुनीर को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने व्हाइट हाउस बुलाया था, जहां प्रधानमंत्री मोदी भी नहीं जा सकते। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि मैं असीम मुनीर को इसलिए बुलाया क्योंकि मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता था। किस बात के लिए धन्यवाद? आतंकवाद फैलाने के लिए।

आज सोने के दाम में गिरावट, चांदी महंगी हुई:गोल्ड 98296 प्रति 10 ग्राम पर आया, चांदी 1.13 लाख किलो बिक रही

24 न्यूज अपडेट

सोने के दाम में आज यानी 29 जुलाई को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 150 रुपए गिरकर 98,296 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोने का भाव 98,446 रुपए पर था।

वहीं चांदी की कीमत 323 रुपए बढ़कर 1,13,307 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,12,984 रुपए पर थी। वहीं 23 जुलाई को सोने ने 1,00,533 रुपए और चांदी ने 1,15,850 रुपए ऑल टाइम हाई बनाया था।

5 अगस्त से शुरू होगी सेना भर्ती रैली, अलवर और आसपास के जिलों के 7500 युवा ले सकेंगे भाग

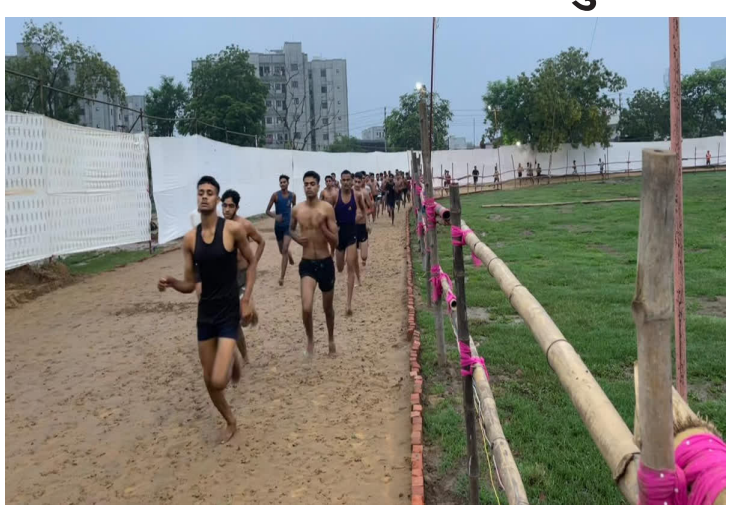

24 न्यूज अपडेट

राज ऋषि कॉलेज, अलवर में आगामी 5 से 20 अगस्त तक सेना भर्ती रैली आयोजित की जाएगी. सेना भर्ती रैली में अलवर, खैरथल-तिजारा, भरतपुर, डीग-धौलपुर और कोटपूतली-बहरोड़ जिलों के युवा भाग ले सकेंगे.

जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने बताया कि इस सेना भर्ती रैली में कॉमन एंट्रेन्स एग्जाम 2025 में शामिल हुए लगभग 7500 अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता के आधार पर अग्निवीर (जनरल ड्यूटी), अग्निवीर (टेक्निकल), अग्निवीर (क्लर्क/एसकेटी), अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं पास और 10वीं पास) श्रेणियों के लिए बुलाया गया है. मुख्यालय भर्ती क्षेत्र जयपुर, मुख्यालय दक्षिण पश्चिमी कमान और अलवर के नागरिक प्रशासन की ओर से आयोजित की जा रही भर्ती रैली राजस्थान के युवाओं को देश की सेवा करने का अनूठा अवसर प्रदान करती है.

दलालों के बहकावे में नहीं आएं: लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने कहा कि सेना भर्ती के उम्मीदवार दलालों के बहकावे में नहीं आएं और ना ही धोखाधड़ी या अनुचित तरीकों का सहारा लें. उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों को अपनी योग्यता दस्तावेज, सिविल प्रशिक्षण अकादमियों या दलालों को नहीं देने चाहिए. केवल सेना भर्ती रैली के अधिकारियों के मांगे जाने पर ही भर्ती कर्मचारियों को दस्तावेज सौंपने चाहिए. उन्होंने कहा कि सेना भर्ती रैली के बारे में ज्यादा जानकारी और किसी प्रकार की सहायता के लिए उम्मीदवार इंडियन आर्मी की वेबसाइट (www.joinindianarmy.nic.in) देखें या सेना भर्ती कार्यालय अलवर से संपर्क करें.

युवाओं को लंबे समय से है सेना भर्ती का इंतजार: युवाओं को लंबे समय से सेना भर्ती का इंतजार है. देश सेवा का जज्बा लिए युवा सेना में भर्ती होने के लिए पिछले काफी समय से तैयारी में जुटे हैं. अलवर के मैदानों और ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह व शाम के समय युवाओं को दौड़ लगाते एवं अन्य शारीरिक व्यायाम करते देखा जा सकता है. अलवर जिले के युवाओं में सेना भर्ती को लेकर उत्साह शुरू से रहा है. अलवर में पूर्व में अनेक बार सेना भर्ती रैली का आयोजन किया गया है.

राजस्थान में 1936 स्कूलों का होगा रिनोवेशन:2746 स्कूलों में बनेंगे टॉयलेट, शिक्षमंत्री बोले- उद्घाटन का नहीं करें इंतजार, तत्काल भवनों का उपयोग करें

24 न्यूज अपडेट

झालावाड़ और जैसलमेर में हुए हादसों के बाद शिक्षा विभाग पूरी तरह से एक्टिव मोड में आ गया है। शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 1936 स्कूलों में रिनोवेशन के लिए 169.52 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति जारी की है। वहीं, प्रदेशभर में 2746 टॉयलेट बनाने का भी फैसला किया गया है। इसके साथ ही शिक्षा मंत्री ने पूर्व निर्मित कक्षा और भवन का बिना उद्घाटन ही उपयोग करने के भी आदेश दिए हैं।

दिलावर ने कहा- सरकार प्रदेश के स्कूल भवनों का सर्वे कर रही है। इनमें जो जर्जर या खतरनाक स्थिति में है। उनमें कक्षाएं न लगाने के लिए निर्देश दिए जा चुके हैं। फिर भी बरसात के मौसम को देखते हुए और ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता है। सभी संस्था प्रधान अपने स्तर पर भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर संवेदनशील रहे। किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं करें।

उद्घाटन का ना करें इंतजार

दिलावर ने कहा- स्कूलों में नवनिर्मित कक्षों और भवन का उपयोग तत्काल शुरू किया जाए। संस्था प्रधान उनके उद्घाटन करने का इंतजार नहीं करे। बल्कि, नवनिर्मित कमरों में कक्षाएं संचालित करे। स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार की गफलत में ना रहे। हर स्तर पर बच्चों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है।

स्कूलों में बनेंगे नए टॉयलेट, होगा रिनोवेशन

उन्होंने कहा- प्रदेश के 4283 सरकारी स्कूलों में 5840 शौचालय निर्माण की जरूरत है। इसका निर्माण स्वच्छ भारत मिशन द्वारा करवाया जाएगा। ऐसे में पहले फेज में प्रदेश के 2746 स्कूलों में शौचालय निर्माण कराए जाएंगे। इसके साथ ही शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के स्कूलों की बदहाली को सुधारने के लिए 169 करोड़ 52 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। इससे प्रदेशभर के 1936 स्कूलों की मरम्मत के साथ ही अति आवश्यक निर्माण कार्य किए जाएंगे।

सेंसेक्स 447 अंक ऊपर 81,338 पर बंद:दिन के निचले स्तर से 850 अंक संभला बाजार; NSE के सभी इंडेक्स में उछाल

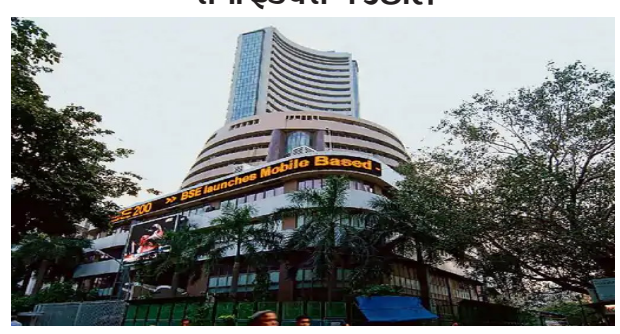

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार (29 जुलाई) को सेंसेक्स 447 अंक चढ़कर 81,338 के स्तर पर बंद हुआ। डे-लो से यह करीब 850 अंक संभला है। निफ्टी में भी 140 अंक की तेजी रही, ये 24,821 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट रही। रिलायंस और L&T 2.3% गिरे। कुल 9 शेयर्स 1% तक चढ़कर बंद हुए। एक्सिस बैंक और TCS के शेयर नीचे बंद हुए।

निफ्टी के 50 में से 36 शेयरों में तेजी और 14 में गिरावट रही। शुरुआती गिरावट के बाद NSE के सभी इंडेक्स चढ़कर बंद हुए। मेटल, फार्मा, रियल्टी और हेल्थकेयर 1% से ज्यादा चढ़कर बंद हुए। वहीं, ऑटो, मीडिया और बैंकिंग इंडेक्स 1% तक चढ़े।

संपादकीय : स्पष्टता का तकाजा

इसमें कोई दोराय नहीं कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने जो कदम उठाया, आतंकवादियों के पाकिस्तान स्थित ठिकानों पर हमला करके उसे तबाह किया, वह अब देश के इतिहास में एक शानदार अध्याय की तरह दर्ज रहेगा। मगर आपरेशन सिंदूर' के तहत चले अभियान के दौरान इस संबंध में जितनी भी खबरें आईं, उससे जिस तरह की धारणाएं बनीं, जो सवाल उठे,उनका जवाब देश के सामने रखना भी एक स्वाभाविक मांग है। इस क्रम में विपक्ष ने इस बात के लिए दबाव भी बनाया कि संसद में ' आपरेशन सिंदूर' पर बहस हो और सरकार उन सवालों का जवाब दे, जिन पर कई स्तर पर धुंधलका छाया हुआ है। सही है कि भारत ने 'आपरेशन सिंदूर' के जरिए दुनिया को यह संदेश दिया कि अगर आतंकियों या उन्हें पालने - पोसने वाले देश ने भारतीय लोगों के जीवन से खिलवाड़ किया तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। मगर भारत की सोची-समझी और निर्धारित प्रतिक्रिया के दौरान हमलों का स्वरूप और उसके नतीजों को लेकर जिस तरह की खबरें आईं, उससे कई सवाल पैदा हुए। इसके जवाब में सरकार ने जो तस्वीर सामने रखी, वह आतंकियों के खिलाफ की गई प्रतिक्रिया की कामयाबी पर ही केंद्रित रही । अब विपक्षी पार्टियों के जोर देने के बाद संसद में इस मसले पर बहस के लिए सबके बीच सहमति बनी, तो यह स्वागतयोग्य है। इसके साथ ही यह उम्मीद स्वाभाविक है कि महज औपचारिक प्रतिक्रियाओं के बजाय सरकार 'आपरेशन सिंदूर' के तहत चलाए गए अभियान और उससे संबंधित तमाम सवालों का तथ्यगत जवाब देगी। यह इसलिए भी जरूरी है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष में किस पक्ष का कितना नुकसान हुआ, इसे लेकर कई तरह के भ्रम परोसे गए। रक्षा मंत्री का भी कहना है कि सवाल यह नहीं कि नुकसान कितना हुआ, बल्कि यह है कि परिणाम क्या निकला। सरकार यह कहती रही है कि इस अभियान के शुरू होने के कुछ ही समय बाद पाकिस्तान इतने दबाव में आया कि उसने संघर्ष विराम की फरियाद करनी शुरू कर दी। दूसरी ओर, अमेरिका के राष्ट्रपति कई बार ऐसे दावे कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम उन्होंने कराया था। जाहिर है, इस तरह के धुंधलके के बीच एक स्पष्ट तस्वीर की जरूरत महसूस की जा रही थी । दरअसल, आपरेशन सिंदूर की कामयाबी के बावजूद यह पक्ष अब भी साफ नहीं हो सका है कि पहलगाम में पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकवादी किस तरह घुसपैठ करके वहां पहुंच सके, वहां सुरक्षा व्यवस्था क्यों अनुपस्थित थी । फिर हमले के बाद आतंकी कैसे आराम से वहां से फरार भी हो गए? इसकी प्रतिक्रिया में पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कामयाब हमले तो किए गए, लेकिन पहलगाम में हमला करने वाले आतंकियों का क्या हुआ, यह अब तक साफ नहीं है। एक जरूरी पक्ष यह भी है कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने हमले के संदर्भ में सुरक्षा चूक की बात स्वीकार की थी। इन सब पहलओं से जुड़े तथ्य सरकार के पास मौजूद होंगे। अब संसद में बहस के बीच यह उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार देशहित में सभी तथ्यपूर्ण बातों को संसद में सबके सामने रखेगी, ताकि इस समूचे मसले पर उठने वाले सवाल और उससे उपजने वाले भ्रम पर तस्वीर साफ हो सके।

सबक की सिलवटें

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और भीड़- भाड़ के बीच भगदड़ एक सामान्य घटना बनती जा रही है। कभी धार्मिक सभाओं के आयोजन, रेल में चढ़ते वक्त तो कभी मंदिरों में भगदड़ से लोगों की जान जा रही है। मगर, चिंता की बात है कि इन घटनाओं से कहीं कोई सबक नहीं लिया जाता। हर बार गहन जांच, सख्त कार्रवाई और भविष्य में एहतियाती उपाय करने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है। उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में रविवार को भगदड़ में आठ श्रद्धालुओं की मौत इसी लापरवाही का नतीजा है। हैरत की बात है कि इससे अगले ही दिन उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के अवसानेश्वर मंदिर में भी ऐसी ही घटना में दो लोगों की मौत हो गई। ऐसा लगता है कि भगदड़ का एक सिलसिला शुरू हो गया है और व्यवस्थागत खामियों की सिलवटे हैं कि ठीक होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। पिछले दिनों महाकुंभ में भगदड़ मचने से अनेक लोग मारे गए। इसके बाद बंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न में आयोजित समारोह में भगदड़ से कई लोगों की जान चली गई। इससे पहले हाथरस के एक आश्रम में हुई भगदड़ की घटना को भी नहीं भूलाया जा सकता। सवाल है कि आखिर ऐसी कितनी घटनाओं के बाद शासन और प्रशासन चेतेगा ? मनसा देवी मंदिर में भगदड़ का कारण करंट फैलने की अफवाह को बताया जा रहा है। मगर, क्या इस तरह की अफवाह को हादसे में तब्दील होने से रोका नहीं जा सकता था ? प्रशासनिक अमला इस तरह की आशंकाओं का अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है ? चिंता की बात यह है कि पूर्व की घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया जाता है। यही वजह है कि मनसा देवी मंदिर हादसे के दूसरे दिन पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के अवसानेश्वर मंदिर में भी भगदड़ की घटना हो गई। इसमें दोराय नहीं कि पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों समेत सार्वजनिक जगहों पर लोगों की भीड़ आए दिन बढ़ रही है। ऐसे में शासन-प्रशासन को भीड़ प्रबंधन के उपायों को सख्ती से लागू करना होगा और लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई अमल में लानी होगी। तभी व्यवस्था में सुधार की उम्मीद की जा सकती है।

जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने की सीबीआई जांच, शिक्षकों डॉ. भगवतसिंह व डॉ. नैनी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग, कहा- पेसिफिक ने सुसाइड नोट को दबाने का किया प्रयास

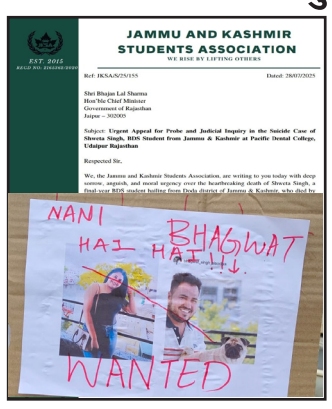

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/श्रीनगर। पैसिफिक डेंटल कॉलेज, उदयपुर में जम्मू-कश्मीर की बीडीएस छात्रा श्वेता सिंह द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना ने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस मामले को लेकर जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखते हुए मामले की न्यायिक जांच, दोषी शिक्षकों की गिरफ्तारी और कॉलेज प्रशासन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता नासिर की ओर से भेजे गए इस पत्र में कहा गया है कि श्वेता सिंह जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले की रहने वाली थीं और पैसिफिक डेंटल कॉलेज उदयपुर में बीडीएस के अंतिम वर्ष की छात्रा थीं। उन्होंने हॉस्टल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटनास्थल से बरामद हस्तलिखित सुसाइड नोट में दो शिक्षकों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिनमें छात्रों से रिश्वत मांगना, फेल करने की धमकी देना और मानसिक प्रताड़ना जैसे कृत्य शामिल हैं। एसोसिएशन ने पत्र में लिखा है कि छात्रा ने अपने सुसाइड नोट में डॉ. भगवत सिंह और डॉ. नैनी जैन को इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार ठहराया है और स्पष्ट रूप से लिखा है कि वे छात्रों को पैसे न देने पर बार-बार परीक्षा में फेल कर देते थे। इतना ही नहीं, नोट में यह भी उल्लेख किया गया है कि उक्त शिक्षक छात्रों से "पैसे वसूलने" का व्यवस्थित प्रयास करते थे, और श्वेता को प्रताड़ित किया गया क्योंकि उसने पैसे नहीं दिए।

नासिर ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा

"यह घटना न केवल एक छात्रा की आत्महत्या है, बल्कि यह उच्च शिक्षा संस्थानों में व्याप्त शोषण, भ्रष्टाचार और असंवेदनशीलता का परिणाम है। छात्रा के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वह पूरी शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।"

पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि घटना के बाद भी कॉलेज प्रशासन ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई। न तो तुरंत हॉस्टल के कमरे को सील किया गया, न ही मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई गई और न ही पुलिस को समय पर सूचना दी गई। उल्टे, कॉलेज के अधिकारियों ने छात्रों को चुप रहने के लिए दबाव डाला और सुसाइड नोट को दबाने का प्रयास किया। एसोसिएशन ने यह मांग भी की है कि मामले की निष्पक्ष जांच सीबीआई या उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाए, ताकि कोई भी दोषी बच न सके और पीड़िता के परिवार को न्याय मिल सके। नासिर ने यह भी कहा कि उन्होंने राजस्थान पुलिस महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा विभाग और मानवाधिकार आयोग को भी इस मामले की जानकारी देकर उचित कार्रवाई की मांग की है।

मुख्य मांगे पत्र में: घटना की न्यायिक जांच कराई जाए। दोषी शिक्षकों डॉ. भगवत सिंह और डॉ. नैनी जैन की तुरंत गिरफ्तारी हो। कॉलेज प्रशासन की भूमिका की भी जांच हो और लापरवाही के लिए सख्त सजा दी जाए। अन्य छात्रों को सुरक्षा व मानसिक सहयोग सुनिश्चित किया जाए। शिक्षा संस्थानों में छात्र शोषण के विरुद्ध कड़ा कानून और त्वरित कार्यवाही की व्यवस्था हो।

नेमिनाथ भगवान को चढ़ाया जन्म कल्याणक लड्डू एवं ध्वजा परिवर्तन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 29 जुलाई। श्री जैन श्वेताम्बर महासभा के तत्वावधान में तपागच्छ की उद्गम स्थली आयड़ तीर्थ एवं देहली गेट स्थित नेमिनाथ जैन मंदिर पर मूलनायक नेमिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सवध्व धूमधाम से मनाया गया। जिसमें आयड़ तीर्थ पर बिराजित कला पूर्ण सूरी समुदाय की साध्वी जयदर्शिता श्रीजी, जिनरसा श्रीजी, जिनदर्शिता श्रीजी व जिनमुद्रा श्रीजी महाराज, सूरजपोल दादावाड़ी मंदिर की साध्वी विपुल प्रभा जी, थोब की बाड़ी में बिराजित उपेन्द्रयशा श्रीजी आदि ठाणा के सानिध्य में मंगलवार को नेमिनाथ भगवान का जन्मकल्याणक महोत्सव एवं मंदिर पर ध्वजा परिवर्तन सहित विविध आयोजन हुए । महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि पाश्व वल्लभ सेवा ममण्ड की बहिनों द्वारा सत्राह भेदी पूजा पढ़ाई गई। गाजे-बाजे की स्वर लेहरियां बिखेरती हुई विशाल शोभायात्रा देहली गेट स्थित नेमिनाथ जैन मंदिर पहुंची जहां चांदमल जयश्री बागरेचा व हिम्मत सिंह निर्मल मुर्डिया द्वारा मूलनायक नेमिनाथ भगवान को सवा पांच किलों का जन्मकल्याणक लड्डू व ध्वजा परिवर्तन चढ़ाया गई। आरती मंगल दीपक संघवी अर्जुनलाल ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक जैन ने की।

इस अवसर पर कुलदीप नाहर, भोपाल सिंह नाहर, चन्द्र सिंह बोल्या, मनोहर सिंह नलवाया, रवि देरासरिया, फतह सिंह नलवाया, रणवीर मादरेचा,सुभाष मेहता, सुरेन्द्र नलवाया, चतर सिंह पामेच, सतीश कच्छारा, प्रकाश नागोरी, अशोक जैन, राजेन्द्र जवेरिया, दिनेश बापना, अभय नलवाया, कैलाश मुर्डिया, गोवर्धन सिंह बोल्या, दिनेश भण्डारी, रविन्द्र बापना, चिमनलाल गांधी, प्रद्योत महात्मा, रमेश सिरोया, कुलदीप मेहता आदि मौजूद रहे।

कोटड़ा में स्कूल की छत गिरी, बड़ा हादसा टला- विभाग की लापरवाही पर ग्रामीणों में आक्रोश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. उदयपुर जिले के कोटड़ा क्षेत्र की पीपला ग्राम पंचायत स्थित सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय (सी. सै. स्कूल) के दो कमरे बीती रात अचानक भरभराकर गिर गए। गनीमत रही कि हादसा रात को हुआ, वरना स्कूल संचालन के समय यह घटना होती तो बड़ा जानलेवा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों और विद्यार्थियों में भय का माहौल है, जबकि विभागीय लापरवाही को लेकर गहरा रोष व्याप्त है।

जर्जर भवन की शिकायतें पहले से थीं, लेकिन अनसुनी रहीं विद्यालय भवन की हालत लंबे समय से खस्ताहाल और जर्जर थी। इसको लेकर ग्रामीणों और स्थानीय सरपंच मन्नालाल ने कई बार शिक्षा विभाग और प्रशासन को अवगत कराया था। मगर, अधिकारियों ने चेतावनी के संकेतों को लगातार नजरअंदाज किया। बीती रात हुए हादसे के बाद भी जब सरपंच ने सुबह सीबीईओ को सूचना दी, तो कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा।

अब स्कूल में केवल दो कमरे बचे, 250 बच्चों की पढ़ाई संकट में

विद्यालय में कुल चार कमरे थे, जिनमें से दो पूरी तरह ढह चुके हैं। शेष दो कमरों में अब कक्षा 1 से 12वीं तक के करीब 250 छात्र-छात्राओं की पढ़ाई कराना लगभग असंभव हो गया है। विभाग की ओर से अभी तक न तो कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई है और न ही भवन मरम्मत की प्रक्रिया शुरू हुई है। "हम बच्चों की जान खतरे में नहीं डाल सकते" — ग्रामीण घटना के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। उनका कहना है कि विभाग की लापरवाही के चलते किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। वे अब अपने बच्चों को जोखिम भरे जर्जर भवन में नहीं भेजेंगे। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द नया भवन तैयार किया जाए, और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

इस गंभीर घटना के बाद भी प्रशासन और शिक्षा विभाग की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। न तो कोई जांच टीम मौके पर पहुंची और न ही आपात बैठक बुलाई गई। शिक्षा विभाग की यह उदासीनता क्षेत्र में बुनियादी शिक्षा सुविधाओं की दयनीय स्थिति को उजागर करती है।

मुकुट सप्तमी महामहोत्सव 31 जुलाई को, लड्डू सजाओं प्रतियोगिता का होगा आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 29 जुलाई। झीलों एवं धर्मनगरी उदयपुर में 4000 वर्ष प्राचीन तांबावती नगरी आयड़ में स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में पाश्वनाथ भगवान मोक्ष कल्याणक मुकुट सप्तमी पर विशेष आयोजन होंगे। ट्रस्ट अध्यक्ष भंवरलाल गदावत ने बताया कि पाश्र्वनाथ भगवान मोक्ष कल्याणक मुकुट सप्तमी महापर्व पर बाल योगिनी जिनवाणी सेवा चंद्रिका धर्म प्रभावीका वात्सल्य मूर्ति आर्यिका प्रशन्नमती माताजी के सानिध्य में मुकुट सप्तमी महा महोत्सव बड़े धूमधाम से 31 जुलाई को मनाया जाएगा। जिसमें पार्श्वनाथ भगवान को लड्डू चढ़ाया जाएगा। महिला मंडल अध्यक्ष मंजू देवी गदावत ने बताया कि आर्यिका के सानिध्य में लड्डू सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा। जिसमें समाजजन एवं जैन महिला मंडल के सभी संगठन लड्डू सजाओ प्रतियोगिता में भाग लेंगे। गदावत ने बताया कि मंगलवार को आर्यिका के सान्निध्य में मंदिर में मूलनायक भगवान का पंचामृत अभिषेक एवं शांति धारा की गई। इस अवसर पर समस्त समाज जन एवं ट्रस्टगण की उपस्थिति रही।

टाउनहॉल मत जइयो!!! जइयो तो फंस जइयो...बड़े धोखे हैं इस राह में...!!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर में अगर आप टाउन हॉल की तरफ तशरीफ ले जा रहे हैं तो अपना और अपने वाहन का भेजा फ्राई करने और दिमाग का दही करने लिए तैयार हो जाइये। अगर ड्राइविंग में परफेक्ट नहीं हैं तो भूल कर भी इस तरफ मत जाइये क्योंकि यहां मुसीबतें बाहें फैलाएं आपका इंतजार कर रही हैं। आंखों पर खुमारी का चश्मा चढ़ाए जिला प्रशासन और यहां के सुस्त और मतलब परस्त हो चुके नेताओं और जन प्रतिनिधियों की ओर से यह समस्या शहरवासियों को गिफ्ट में मिल रही है। एलिवेटेड फ्लाई ओवर शहर के बीचोंबीच से निकल रहा है और उसका काम ऐसे अफलातूनी अंदाज में चल रहा है कि जनता की कोई परवाह करने वाला नहीं है। टाउन हॉल के सामने आप गिरो, आप चोटिल हो जाओ, आप कट लगाकर निकलो, आप झगड़ कर रास्ता पार करो, आप जाम में फंस जाओ, आप रांग साइड से आकर भिड़ जाओ.....। सब कुछ चलेगा। सब कुछ चलेगा भाई साहब। हां-हां सब कुछ चलेगा। ये आपकी प्राब्लम है जिला प्रशासन की नहीं। कोई रूट डाइवर्जन नहीं, कोई रूट चार्ट नहीं, सड़क पर कोई इंडीकेटर नहीं, बस आप चले आइये। जी हां घुसते चले आइये और अपने केलिबर, अपने दम और जोर आजमाइश के दम पर रास्ता पार कर जाइये। एलिवेटेड रोड बनने से पहले शक्तिनगर बोटलनेक का ख्वाब दिखाने वालों ने तो अब इस बाइपास वाले रास्ते का नाम लेना तक बंद कर दिया है क्योंकि उनको डर है कि कहीं जनता सवाल पूछने लग गई व नाकामियों के पिटारे खालने लग गई तो जवाब देते नहीं बन पड़ेगा। तो मुद्दे की बात है कि लेकसिटी में इतना बड़ा काम चल रहा है लेकिन ऑन पेपर कोई ट्रैफिक प्लान तक नहीं है, ये कमाल केवल और केवल लेकसिटी में ही हो सकता है। यहां की देवतुल्य जनता रोज हंसते-हंसते धोखे और धक्के दोनों खा रही है। जनता सवाल नहीं करती, नेता सवालों से भागते हैं और अधिकारी नेताओं को मैनेज कर लेते हैं। ऐसे में अल्टीमेटली पिसना जनता को ही है। ऐसा कोई प्लेटफार्म बचा ही नहीं है जहां जनता की आवाज सुनी जाने की कोई गंजाइश बची हो। ऐसे में अब शहवासियों को ही ऐसे रास्तों को अवाइड करते हुए निकलना होगा। रोड जैसे जैसे आगे बढ़ेगा, परेशानियां भी उतनी ही ज्यादा बढ़ती चली जाएंगी। अब सवाल ये है कि क्या अनप्लांड तरीके से काम हो रहा है या फिर वेल प्लांड वे में जनता को घटिया ट्रैफिक मैनेजमेंट का दुख दिया जा रहा है। यह तो जनता खुद तय करे कि उसे किस रास्ते पर चलना है और किसको रास्ते पर लाना है।

लेकसिटी के दीपक शर्मा फिर एक बार पिस्टल शूटिंग में बने नंबर 1 शूटर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 29 जुलाई। लेकसिटी के दीपक शर्मा ने एक बार फिर पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में बाजी मारी। पिस्टल शूटिंग में हो रहे प्री स्टेट मेंस चैंपियनशिप जो की जयपुर में हुई। इस प्रतियोगिता में दीपक शर्मा ने 10 मीटर पिस्टल शूटिंग में पूरे राजस्थान में नम्बर 5 रैंक एवं उदयपुर में नम्बर 1 रैंक हासिल की। साथ ही दीपक शर्मा ने उदयपुर का नाम रोशन करते हुए एक और प्रतियोगिता 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल शूटिंग में पूरे राजस्थान में दसवां रैंक हासिल किया जो कि अपने आप में बहुत ही गौरवपूर्ण बात है। दीपक शर्मा हमेशा ही उदयपुर एवं राजस्थान का नाम देश भर में रोशन करते आए हैं। वेब बाइक रेसर एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर भी है। दीपक शर्मा ने स्वयं बिना किसी कोच के प्रैक्टिस करते हुए पिस्टल शूटिंग में यह स्थान हासिल किया है। किया है। दीपक शर्मा आने वाली प्रतियोगिताओं में भी उदयपुर एवं पूरे राजस्थान का नाम हमेशा की तरह रोशन करेंगे। उनकी कड़ी मेहनत उनकी रैंकिंग में देखी जा सकती है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

किरण तंवर की ज्वाइनिंग किसने रोकी, कौन डाल रहा परिवाद उठाने का दबाव?? क्योंकि बात निकलेगी तो दूर तलक जाएगी.....

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की दो महिला कर्मचारियों का मामला इन दिनों सुर्खियों में है। दोनों एसएफएबी कर्मचारी हैं व कॉमन बात ये है कि दोनों ने वीसी के खिलाफ बंगले पर मौखिक आदेश के दौरान काम करने और वहां पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए प्रतापनगर थाने में परिवाद दिया है। सात दिन बाद भी खामोशी है। पूछताछ का पत्ता तक नहीं हिला है, कोई फोन थाने से नहीं आया है। इधर, विश्वविद्यालय में घमासान मचा हुआ है। मोर्चाबंदी हो रही है कि किसी भी तरह से घर की बात घर में ही रह जाए। क्योंकि बात अगर कानूनी इदारों में निकली तो दूर तलक चली जाएगी। जवाबदेही तय हो जाएगी, कई सारी बातें सामने आ जाएंगी जिन पर अभी पर्दा पड़ा हुआ है और जो मैनेज करने लायक दिखाई दे रही हैं। विश्वविद्यालय में लंबे समय से सेवाएं दे रहीं किरण तंवर का मामला एसएफएबी कर्मचारियों की हड़ताल के दौरान सामने आया। तब पहली बार पता आरोप लगा कि कुछ कर्मचारियों को बिना किसी लिखित आदेश के बंगले पर सेवाएं देने भेज दिया गया। बताया गया कि ये कर्मचारी कोई एक दो दिन नहीं, लंबे समय से वहां काम कर रहे थे। याने नौकरी कहीं और बोल रही थीं, काम कहीं और लिया जा रहा था। सेल्फ फाइनेंस बोर्ड की जगह सेल्फ सर्विस बोर्ड जैसा कुछ चल खेल चलने का आरोप लगा। किरण तंवर अब गवर्नर को ज्ञापन देने की तैयारी कर रही हैं। उनका कहना है कि सुविवि में एक साल से कुलपति निवास पर काम कर रही थी, उनकी मूल नियुक्ति सेंट्रल लाइब्रेरी में थी। वहां से माथुर मैडम और भाट सर के कहने पर वीसी बंगले में काम करने भेजा गया। उन्होंने परिवाद में और मीडिया को दिए अपने बयान में कहा कि जी जान से काम किया, सेवाएं दीं लेकिन बदले में नगर वधू जैसे शब्दों से नवाजा गया। विरोध करते ही बुरा बर्ताव कर बाहर निकाला गया। जब वे अपने मूल नियुक्ति विभाग याने कि लाइब्रेरी में ज्वाइनिंग के लिए गईं तो मना कर दिया गया। मना इसलिए कर दिया गया क्योंकि उपर से मौखिक आदेश था। याने, एक मौखिक आदेश बंगले पर जाने का, दूसरा लाइब्रेरी में काम नहीं करने का। तंवर का आरोप है कि महीनों बीत गए, साइन ही नहीं करने दे रहे। घर में दोनों बच्चों, पेरेलाइज्ड होकर बिस्तर में उपचार पा रहे पति व बूढ़ी सास की जिम्मेदारी। जाएं तो कहां जाएं। जिस संस्थान को लगभग 17 साल सेवाएं दीं वहां नौकरी का स्थायित्व तो बहुत दूर की बात है। नौकरी तक के लाले पड़ रहे हैं। कहती हैं-वीसी झूठ बोल रही हैं, कि मैंने उनके बंगले पर काम नहीं किया है। इसकी जांच मेरी कॉल डिटेल, बंगले के कर्मचारियों से पूछताछ और आवक-जावक सहित कई अन्य माध्यमों से आसानी से की जा सकती है। अब मैं बार बार विश्वविद्यालय के चक्कर लगा रही हूं मगर जवाइनिंग नहीं दी जा रही है। इस दौरान पांव में फ्रेक्चर भी हो गया। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय कर्मचारी संगठन एसएफएबी के कर्मचारियों का आंदोलन शुरू हुआ तो अपनी बात कही व यहीं किरण तंवर की मुसीबतें बढ़ गईं। प्रतापनगर थाने में परिवाद देने के बावजूद सुनवाई नहीं हुई तो दूसरी तरफ सबको ज्वाइनिंग देने के बाद भी किरण तवंर को ज्वाइनिंग नहीं दी गई। अब सुविवि प्रशासन इस उम्मीद में दिखाई दे रहा है कि इस हाथ ज्वाइनिंग, उस हाथ परिवाद वापस लेने जैसा कोई खेल हो जाए और पूरा मामला ही सेटल हो जाए। किरण का कहना है कि अब उन दोनों लोगों के माध्यम से उन पर दबाव बनाया जा रहा है जिन्होंने उन्हें वीसी के बंगले पर काम करने मौखिक आदेश से भेजा था। वे कह रहे हैं कि थाने में दिया परिवाद वापस लेना पड़ेगा। उसके बाद ही ज्वाइनिंग नियमों के विपरीत जाकर ज्वाइनिंग नहीं दी जा रही है। कोर्ट तक के आदेश को नहीं माना जा रहा है। छह महीन से उन्हें सैलरी नहीं दी गई है। इधर, पुलिस भी पूछताछ तक की पहल नहीं कर रही है। ऐसे में जाएं तो कहां जाएं। इस मामले में मानवाधिकार आयोग से लेकर महिला आयोग तक शिकायतें की जा चुकी हैं लेकिन वहां से भी चुप्पी बता रही है कि पूरा सिस्टम ही सुस्त नींद में सोया है।

राजस्थान पुलिस ने निकाली 'ग्राम रक्षक' स्वयंसेवकों की भर्ती : 8वीं पास करते सकेंगे अप्लाई, स्थानीय थाने में मिलेंगे फॉर्म

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान पुलिस ने 'ग्राम रक्षक' स्वयंसेवकों की भर्ती निकाली है। अपने गांव की सुरक्षा में भागीदार बनने के लिए 8वीं पास व्यक्ति अप्लाई कर सकेंगे। 'ग्राम रक्षक' बनने के लिए स्थानीय थाने से आवेदन पत्र (फॉर्म) मिलने के साथ ही जमा होंगे।

पुलिस अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी कम्युनिटी पुलिसिंग राजस्थान पंकज चौधरी ने बताया- राजस्थान पुलिस ने एक महत्वपूर्ण पहल के तहत ग्राम रक्षक के रूप में स्वयंसेवकों की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह पद अवैतनिक होगा और चुने गए स्वयंसेवक 2 साल की अवधि के लिए अपने गांवों में पुलिस के सहायक के तौर पर काम करेंगे। यह भर्ती राजस्थान पुलिस अधिनियम-2007 और राजस्थान पुलिस (संशोधन) अध्यादेश- 2020 के प्रावधानों के तहत की जा रही है।

विशेष पात्रता मानदंड किए निर्धारित

शैक्षणिक योग्यताः उम्मीदवार का 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

आयु सीमाः आवेदकों की आयु 40 वर्ष से 55 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

निवास स्थानः सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आवेदक को स्थानीय ग्रामवासी होना चाहिए, ताकि वे अपने गाँव की जरूरतों और चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझ सकें।

ऐसे करे आवेदन

- आवेदन पत्र प्राप्त करेंः आप अपने स्थानीय थाने से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

- जमा करने की अंतिम तिथिः भरे हुए आवेदन पत्र 15 अगस्त-2025 तक अपने स्थानीय थाने में जमा किए जा सकते हैं। समय सीमा का विशेष ध्यान रखें।

इस संबंध में पूरी जानकारी के लिए राजस्थान पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in पर दी गई हैं। इसके अलावा अपने स्थानीय जिला पुलिस अधीक्षक के कार्यालय से भी सभी आवश्यक विवरण प्राप्त कर सकते हैं। यह पहल गांवों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और समुदाय पुलिसिंग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा की सुरक्षा में तैनात दो जवान हादसे का शिकार, एक की मौत, दूसरे का इलाज जारी

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा की सुरक्षा में तैनात दो जवान मंगलवार सुबह ड्यूटी पर आते समय जयपुर के एमआई रोड पर दुर्घटना का शिकार हो गए। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए जवान रामवतार की इलाज के दौरान एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में मौत हो गई, जबकि दूसरे जवान मनोज मीणा का इलाज जारी है। दोनों जवान उपमुख्यमंत्री के साथ भरतपुर में प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए ड्यूटी पर जा रहे थे। इस बीच, सुबह 8 बजे गवर्नमेंट चौराहे के पास उनकी बाइक एक वाहन से टकरा गई, जिससे दोनों बुरी तरह घायल हो गए। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उन्हें तुरंत एसएमएस ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। हार्ट की मैन आर्टरी डेमेज, नहीं बच सके रामवतार ट्रोमा सेंटर प्रभारी और हड्डी रोग विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. अनुराग धाकड़ ने बताया कि जवान रामवतार की हालत अस्पताल लाते समय ही अत्यंत गंभीर थी। उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। सीटी स्कैन व अन्य जांचों में सामने आया कि एक्सीडेंट के कारण हृदय की मुख्य धमनी (मेन आर्टरी) क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिससे रक्त आपूर्ति बाधित हो गई। डॉक्टरों की टीम ने हरसंभव प्रयास किया, लेकिन उसे नहीं बचाया जा सका। दूसरे जवान मनोज मीणा की स्थिति स्थिर है और इलाज जारी है।

उपमुख्यमंत्री बैरवा पहुंचे अस्पताल, दिए विशेष इलाज के निर्देश

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा स्वयं एसएमएस ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। उन्होंने दोनों जवानों की चिकित्सकीय स्थिति की जानकारी ली और डॉक्टरों को बेहतर से बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घायल जवान के इलाज में कोई कोताही नहीं बरती जाए और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता दी जाए। उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री बैरवा को मंगलवार को भरतपुर विकास प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में आयोजित महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होना था, जिसके लिए यह सुरक्षा ड्यूटी निर्धारित थी। शोक की लहर, सुरक्षाकर्मियों में व्याप्त दुख जवान रामवतार की मृत्यु से पुलिस और सुरक्षा बलों में शोक की लहर है। उनके सहकर्मियों और अधिकारियों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। राज्य सरकार की ओर से दिवंगत जवान को श्रद्धांजलि और उनके परिजनों को सहायता राशि प्रदान करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।

विद्यापीठ टीम को उत्खनन में जैसलमेर में मिले हड़प्पा सभ्यता के लगभग 4500 साल पुराने अवशेष, प्रो. सारंगदेवोत ने दी बधाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 29 जुलाई / पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर जिले में हड़प्पा सभ्यता के अवशेष मिले है। यह हड़प्पा कालीन टीला जैसलमेर जिले के रामगढ़ तहसील से 60 किलोमीटर एवं सादेवाला से 17 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में "रातडिया री डेरी" नामक स्थान पर है जिसकी खोज राजस्थान विश्वविद्यालय के इतिहास एवं भारतीय संस्कृति विभाग के शोधार्थी दिलीप कुमार सैनी, पार्थ जगानी (इतिहासकार, जैसलमेर), चतर सिंह 'जाम' (रामगढ़) प्रो. जीवन सिंह खरकवाल (राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर), डॉ तमेघ पंवार, (एसिस्टेन्ट प्रोफेसर, इतिहास एवं भारतीय संस्कृति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय) डॉ रविंद्र देवडा (रिसर्च एसीस्टेन्ट, इतिहास एवं भारतीय संस्कृति विभाग, जयपुर) एवं प्रदीप कुमार गर्ग (रामगढ़) के द्वारा की गई है। टीम को बधाई देते हुए कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि यह खोज विद्यापीठ ही नही देश के लिए भी अच्छी खबर है। संस्थान निरंतर उत्खनन के माध्यम से नित नयी खोज करता रहता है। इससे पूर्व आबू रोड स्थित चंद्रावती की खोज भी संस्थान द्वारा ही की गई है। यह पुरास्थल अपने आप में एक अनूठा एवं हड़प्पा सभ्यता में खोजे गए पुरास्थलों में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है क्योंकि उतरी राजस्थान एवं गुजरात के बीच में राजस्थान के थार इलाके के खोजा गया यह पहला पुरातात्विक स्थल है। इस महत्वपूर्ण हड़प्पा सभ्यता की बस्ती से नगरीय सभ्यता से मिलने वाले सभी अवशेष विद्यमान है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पुरास्थल पाकिस्तान बॉर्डर के पास में स्थित है। इस पुरास्थल पर भारी मात्रा में खंडित मृदभांड यत्र तत्र बिखरे हुए है जिसमें हड़पा सभ्यता के नगरीय स्तर से संबंधित लेप उक्त लाल मृदभांड, लाल मृदभांड, कटोरे, घड़े, परफोरेटेड जार के टुकड़े आदि है। पाकिस्तान में स्थित रोहड़ी से प्राप्त होने वाले चर्ट पर निर्मित लगभग 8 से 10 सेमी तक लंबाई के अनेक ब्लेड यहां से प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही यहां से मिट्टी से निर्मित चूड़ियां, शंख से निर्मित चूड़ियां, त्रिकोणकार, गोलाकार, इडली नुमा टैराकोटा केक मिल रहे है। सामान को पीसने एवं घिसने से संबंधित अनेक पत्थर मिल भी मिल रहे है। इस हड़प्पा सभ्यता के पुरास्थल के दक्षिणी ढलान पर एक भट्टी मिली है जिसके बीच में एक कॉलम बना हुआ है। इस प्रकार की भट्टियां गुजरात के कानमेर, मोहनजोदड़ो आदि से प्राप्त होती है। इस पुरास्थल से वेज प्रकार की ईंट प्राप्त हो रही है जिससे यह पता चलता है कि यह ईंट गोलाकार भट्टियां एवं गोलाकार दीवार बनाने में काम आती होगी इसके साथ ही नगरीय सभ्यता से संबंधित सामान्य ईंटें भी प्राप्त हो रही है। थार में हड़प्पा कालीन अवशेष पहली बार प्राप्त हुए है। यह पुरास्थल सुदूर थार के रेतीले टीबों के बीच में स्थित है जो रेगिस्तान के कठिन जीवन एवं हड़प्पा सभ्यता के राजस्थान में विस्तार को बताता है।

उपखण्ड स्तर पर स्वतंत्रता दिवस को लेकर बैठक, कई विभाग के अधिकारी रहे नदारद

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। स्वतंत्रता दिवस उपखण्ड स्तर पर हर्षे उल्लास के साथ मनाने को लेकर मंगलवार को पंचायत समिति सभागार में प्रातः11 बजे उपखण्ड अधिकारी बाबुलाल की अध्यक्षता,पुलिस उपअधीक्षक रूपड्क्षसह एवं अधिकारीयो की उपस्थित में आयोजित हुई। बैठक में सभी विभाग के अधिकारी व निजी राजकीय विद्यालय के संस्थाना प्रधान को किया गया था आमत्रित। बैठक उपखण्ड अधिकारी बाबुलाल जाट,पुलिस उपअधीक्षक रूपड्क्षसह राठौड,मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र भट्ट,विकास अधिकारी भरतलाल कलाल,महिपाल विद्यालय प्रधानाध्यापक वेलचन्द पाटीदार सहित अधिकारीयो कि उपस्थिती में आयोजित हुई । बैठक में उपखण्ड अधिकारी राठौड ने उपखण्ड स्तर पर हर्षे उल्लास से मनाने को लेकर बैठक व्यवस्था,पानी,लाईट,सम्मान पत्र,बेरिकेंट,बैठक व्यवस्था व बच्चो द्वारा परेड व अन्य सांस्कृतिक आयोजन को लेकर विभिन्न विभाग को कार्य वितरण करते हुए जिम्मेदारीया दी गई साथ ही सभी से अच्छी तरह से कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर सुझाव मांगे गये। बैठक में प्रधानाचार्य वेलचन्द पाटीदार ने कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तृत की व आभार शारीरिक शिक्षक हरीशचन्द्र पाटीदार ने व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी,पालिका कर्मी रोशन व्यास,विद्युत विभाग के अयन लोकेश भटेवरा, कई निजी व राजकीय विद्यालय व विभागो के अधिकारी उपस्थिती रहे।

कावड़ यात्रा का शक्तिनगर व्यापार मंडल ने किया भव्य स्वागत, फूलों की वर्षा, सेगारी प्रसाद व भजनों के साथ शिवभक्तों का सम्मान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर से उभयेश्वर महादेव तक निकाली गई विशाल कावड़ यात्रा का आज शक्तिनगर व्यापार मंडल एवं शिवभक्तों की ओर से भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा, सेगारी प्रसाद वितरण, ठंडे जल की सेवा और मधुर भजनों के माध्यम से शिवभक्तों का अभिनंदन किया गया। व्यापार मंडल के महासचिव जितेन्द्र कालरा ने बताया कि शक्ति नगर स्थित लिबर्टी पेंट्स के बाहर कावड़ यात्रा का स्वागत आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय व्यापारियों व श्रद्धालुओं ने एकत्र होकर भक्तों के प्रति सेवा और सम्मान प्रकट किया।

सामूहिक सहभागिता से सफल हुआ आयोजन

स्वागत कार्यक्रम को सफल बनाने में गोवर्धन राठौड़, सुनील कालरा, कैलाश राठौड़, अंबालाल मोची, ईश्वर, रवि मुंडिया, महिमा चुग, निखिल साहू, नरेंद्र मोची, राकेश, ओम खटिक सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में हर हर महादेव के जयघोषों से वातावरण शिवमय बना रहा। व्यापार मंडल की इस सहभागिता को राहगीर श्रद्धालुओं और भक्तों ने भी सराहा।

पुनावली गांव में लूट की वारदात का एक आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

24 न्यूज अपडेट

सायरा/उदयपुर, 29 जुलाई। थाना सायरा क्षेत्र के पुनावली गांव में हाल ही में हुई लूट की वारदात के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में लूट की घटना स्वीकार करते हुए अपने अन्य साथियों की संलिप्तता का भी खुलासा किया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ललित डामोर गमेती (उम्र 21 वर्ष), निवासी मालावेरी, थाना ओगणा को प्रोडक्शन वारंट के जरिए सेंट्रल जेल उदयपुर से लाया गया। यह पहले से थाना ओगणा के प्रकरण संख्या 101/2025 अंतर्गत धारा 3(5), 331(4), 305(A) बीएनएस 2023 में निरुद्ध था। पुलिस पूछताछ में कबूली लूट की वारदात प्रशासनिक उच्चाधिकारियों के निर्देशन में की गई गहन पूछताछ में आरोपी ने दिनांक 4 जुलाई 2025 की रात पुनावली गांव में हथियार के बल पर लूटपाट की वारदात स्वीकार की है। आरोपी ने बताया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ एक घर में घुसा और महिलाओं को बंदूक दिखाकर लूट को अंजाम दिया। यह मामला प्रकरण संख्या 176/2025 धारा 309(4), 3(5), 331(4), 305(A) बीएनएस 2023 के अंतर्गत दर्ज है। पुलिस की संयुक्त टीमें दबिश में जुटी जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) गोपाल स्वरूप मेवाड़ा और वृताधिकारी सूर्यवीर सिंह राठौड़ के निकट पर्यवेक्षण में आरोपी से पूछताछ की जा रही है। वहीं, थाना सायरा, सीओ ऑफिस गिर्वा और थाना ओगणा की संयुक्त पुलिस टीमें अन्य फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। गिरफ्तार आरोपी का विवरण नामः ललित डामोर गमेती पिताः भंवरलाल डामोर गमेती उम्रः 21 वर्ष, निवासीः मालावेरी, थाना ओगणा, जिला उदयपुर

अविवाहिता से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया न्यायिक अभिरक्षा में

24 न्यूज अपडेट

सायरा (उदयपुर), 29 जुलाई 2025। थाना सायरा क्षेत्र में अविवाहिता युवती के साथ कई बार बलात्कार करने के मामले में पुलिस ने मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा एवं वृताधिकारी सूर्यवीर सिंह राठौड़ के निकटतम सुपरविजन में की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दुर्गेश पुत्र देवीलाल, उम्र 23 वर्ष, जाति तेली, निवासी तेलियों का वाड़ा, पदराड़ा, थाना सायरा, जिला उदयपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अविवाहिता के साथ बार-बार दुष्कर्म किया। प्रकरण संख्या 188/2025 धारा 64(2)(एम), बी.एन.एस. 2023 के अंतर्गत दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। गिरफ्तारी के लिए थाना सायरा थानाधिकारी किशोर सिंह शक्तावत के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई, **जिसमें शामिल रहेः** श्री किशोर सिंह शक्तावत, थानाधिकारी, सायरा, कानि. धर्मेन्द्र (नं. 2606), कानि. जगदीश (नं. 1084), कानि. रूपाराम (नं. 557), कानि. लोकेन्द्र सिंह (नं. 3109)

महादेव के जयकारों से गुंजा मेवाड़ः

20वीं कांवड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 29। शिव भक्ति की पराकाष्ठा, श्रद्धा की पराक्रमी धारा और सामाजिक समरसता की अनुपम मिसाल बनी 20वीं कांवड़ यात्रा ने मंगलवार को झीलों की नगरी उदयपुर से लेकर उभयेश्वर महादेव मंदिर तक भक्ति का अद्भुत दृश्य रच दिया। महादेव की जयघोषों, भजनों, ढोल-नगाड़ों और हर-हर महादेव के नारों के बीच 13 हजार से अधिक श्रद्धालु भक्तों ने सात पवित्र नदियों के जल से भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर जनकल्याण, पर्यावरण शुद्धि और अच्छी वर्षा की कामना की। 2006 में 51 कार्यकर्ताओं से शुरू हुई यात्रा ने लिया विराट स्वरूप शिव महोत्सव समिति के संयोजक एडवोकेट रामकृपा शर्मा ने बताया कि 2006 में मेवाड़ के गंगोद्भव कुंड से आरंभ हुई यह कांवड़ यात्रा अब सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना की पहचान बन चुकी है। इस वर्ष यात्रा में 11 हजार कांवड़ तैयार की गई थीं, लेकिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के आगे वह भी कम पड़ गईं। देर से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को प्लास्टिक थैली में पवित्र जल प्रदान कर मंदिर में लोटे की व्यवस्था की गई, जिससे कोई भी भक्त अभिषेक से वंचित न रह सके।

महिलाओं की रही विशेष भागीदारी, सफेद वस्त्रों में पुरुष, परंपरागत परिधान में महिलाएं

कांवड़ यात्रा की सबसे खास बात रही महिलाओं की प्रभावशाली भागीदारी। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाएं पूरे उत्साह और श्रद्धा से कांवड़ लेकर चलीं, वहीं पुरुष भक्तों ने सफेद वस्त्रों में भक्ति गीत गाते हुए शिव नाम की महिमा का गुणगान किया। पवित्र जल से रचा गया महाअभिषेक, 21 विद्वानों ने किया महारूद्राभिषेक उभयेश्वर महादेव मंदिर परिसर में पंडित ओमप्रकाश शर्मा के सान्निध्य में 21 विद्वान आचार्यों द्वारा वैदिक विधि से महारुद्राभिषेक संपन्न किया गया। भाग लेने वाले जजमानों में समाजसेवी वरदीचंद चौधरी, डॉ. ओम साहू, नरेन्द्र पालीवाल सहित अनेक श्रद्धालु शामिल रहे। समाजसेवियों और आमजन ने पुष्पवर्षा की और जलपान, नींबू पानी, फल, दूध, शरबत, कुल्फी आदि की सेवा की।

सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम, पुलिस रही हर कदम साथ

प्रशासन की ओर से किसी भी अनहोनी से बचने के लिए यात्रा मार्ग पर व्यापक पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। महिला पुलिसकर्मी, मोटर बाइक दस्ते और पैदल पुलिसकर्मी लगातार यात्रा के साथ चल रहे थे। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक मुस्तैदी सराहनीय रही।

माता की झांकियां, भजन संध्या और 25 हजार श्रद्धालुओं के लिए भंडारा उभयेश्वर मंदिर परिसर में शाम को भव्य भजन संध्या आयोजित की गई जिसमें माताजी की झांकियां और शिव भक्ति के गीतों की प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम के अंत में सात दिवसीय आयोजन में योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया गया।

साथ ही कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें 25 हजार से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

ऐसे हुई यात्रा की शुरुआतः नेताओं और संतों ने किया शुभारंभ

तांबे के कलश में सात नदियों के पवित्र जल के साथ यात्रा का शुभारंभ महंत इन्द्रदेवदास, डॉ. आनंद पालीवाल, जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, ममता कुंवर, फतेहसिंह राठौड़, प्रेमसिंह शक्तावत, रविंद्र श्रीमाली, चंद्रभान सिंह आदि ने वैदिक विधि से पूजा-अर्चना कर किया। भक्ति का प्रथम स्वरः गोरेला के नरेश गमेती बने पहले कांवड़िये प्रातः 10:45 बजे गोरेला निवासी नरेश गमेती उभयेश्वर महादेव मंदिर पहुंचने वाले पहले कांवड़िये बने, जिन्होंने पवित्र जल से महादेव का अभिषेक किया। इसके बाद शाम 4 बजे तक कांवड़ियों के आने का क्रम लगातार जारी रहा। यात्रा मार्ग पर स्वागत और सेवा कार्यों में बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद, श्रीराम बजरंग सेना, पीकोक इंडस्ट्रीज, सिंधी समाज, वाल्मीकि समाज, कुमावत समाज, व्यापारी संघों, विभिन्न केटरर्स, हिंदू मित्र संगठन, विप्र फाउंडेशन, साहू समाज, मोची समाज, जाड़ा गणेश व्यापार संघ, डाकोत समाज, अनेक सामाजिक संस्थाओं और गांववासियों ने सेवा में भाग लिया। पूरी यात्रा में उभयेश्वर सत्संग मंडल और शिव महोत्सव समिति के अध्यक्ष मान सिंह हाड़ा, रामकृपा शर्मा, नरेश वैष्णव, सुरेश रावत, ललित कुमावत, भूपेश रावल, अक्षय दत्त व्यास, संतोष शर्मा आदि प्रमुख रूप से यात्रा के संचालन में सक्रिय रहे।

भक्ति की गूंज से गुंजा मेवाड़, पुष्पवर्षा और स्वागत द्वारों से हुआ भव्य स्वागत शहर की सड़कों से लेकर पहाड़ियों तक महादेव के जयकारों की गूंज रही। यात्रा के पूरे मार्ग – आयड़, अशोक नगर, देहलीगेट, घंटाघर, ब्रह्मपोल, मोरवानिया आदि स्थलों पर सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडलों,

जर्जर भवनों का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित, दो दिन में 50 स्कूल भवनों को ध्वस्त करने के निर्देश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 29 जुलाई। वर्षाजनित हादसों की रोकथाम एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने गंभीर कदम उठाते हुए विशेष सर्वे मुहिम शुरू की है। इसी क्रम में मंगलवार को जिला कलक्टर नमित मेहता ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला, उपखंड एवं पंचायत स्तर के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। कलक्टर ने स्पष्ट किया कि तकनीकी रूप से असुरक्षित भवनों या कक्षों को तत्काल सील किया जाए। यदि किसी विद्यालय, आंगनवाड़ी या अन्य सरकारी भवन के कुछ कक्ष जर्जर हों तो आसपास के कक्षों का भी उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रतिबंधित भवनों के उपयोग से कोई हादसा होता है, तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। 50 चिन्हित स्कूल भवन होंगे दो दिन में ध्वस्त समग्र शिक्षा अभियान के एडीपीसी ननिहाल सिंह ने बैठक में अवगत कराया कि 50 जर्जर भवनों को गिराने के अनुमोदन प्राप्त हो चुके हैं। इस पर जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि इन भवनों को अगले दो दिन में ध्वस्त कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। कलक्टर ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर पर पटवारी व ग्राम विकास अधिकारी तथा तहसील व ब्लॉक स्तर पर राजस्व व विकास विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से सर्वे करें। सभी विभाग गूगल शीट पर सर्वे की दैनिक अपडेट करें, ताकि निगरानी सुदृढ़ बनी रहे।

विद्यालय शाम 4 बजे तक खुले रहेंगे

सर्वे कार्य को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए जिले के सभी विद्यालयों को सर्वे पूर्ण होने तक शाम 4 बजे तक खुले रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, विद्यालय में संस्थाप्रधान या वरिष्ठतम कार्मिक की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए। जिला कलक्टर ने सभी अधिकारियों को एलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए।

किसी भी घटना की सूचना मिलने पर अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर वस्तुस्थिति की जानकारी लें और तुरंत उच्चाधिकारियों को सूचित करें।

मरम्मत योग्य भवनों की तुरंत मरम्मत हो

सर्वे के दौरान ऐसे भवन जो छोटी-मोटी मरम्मत से उपयोग लायक बन सकते हैं, उनकी मरम्मत तत्काल ग्राम पंचायत या नगर निकाय के समन्वय से कराई जाए। आपदा राहत के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर राहत प्रदान की जाए। सड़कों, पुलियाओं व विश्राम गृहों की हालत की जानकारी भी सर्वे में सम्मिलित की जाए। जन शिकायतों को गंभीरता से लेकर तत्काल जांच व कार्रवाई की जाए। बैठक में एडीएम प्रशासन दीपेन्द्र सिंह राठौड़, जिला परिषद सीईओ रिया डाबी, गिर्वा एसडीएम अवुलासाई कृष्ण, सीडीईओ प्रतिभा गुप्ता, सीएमएचओ डॉ. अशोक आदित्य, आईसीडीएस उपनिदेशक नंदलाल मेघवाल, पीडब्ल्यूडी एसई श्री मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। वहीं जिले भर के एसडीएम, तहसीलदार, विकास अधिकारी व ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की बड़ी कार्रवाईः

डूंगरपुर में एएसआई 5,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना चौरासी, जिला डूंगरपुर में तैनात सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) श्री जीवण लाल पटेल को 5,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की महानिदेशक श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी डूंगरपुर को एक परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी कि उसके भाई और भतीजे को पुलिस थाना चौरासी (झौंथरी) में एएसआई जीवण लाल द्वारा थाने में बंद कर लिया गया है। जब परिवादी ने थाने पहुंचकर कारण पूछा, तो आरोपी ने चार माह पूर्व लाबासाडोड में हुए झगड़े का हवाला देते हुए कहा कि "उसे लाओ और शंकर को ले जाओ।" परिवादी के समझौता प्रयास के बाद उसके भाई को छोड़ दिया गया। परिवादी ने जब अपने भतीजे और अन्य व्यक्ति को छोड़ने की बात की, तो आरोपी ने 10,000 रुपये की रिश्वत की मांग की। इस शिकायत की गंभीरता को देखते हुए 26 जुलाई 2025 को एसीबी द्वारा रिश्वत मांग का सत्यापन कराया गया, जिसमें यह पुष्टि हुई कि आरोपी पहले ही 3,000 रुपये की रिश्वत ले चुका था, और शेष 7,000 रुपये लेने की सहमति दे चुका था। इसके पश्चात एसीबी रेंज उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस श्री प्रहलाद सिंह कृष्णिया के पर्यवेक्षण में पुलिस निरीक्षक श्री राजेन्द्र सिंह एवं उनकी टीम द्वारा 29 जुलाई को ट्रैप कार्यवाही की गई। इस दौरान गांव कनबा, थाना बिछीवाड़ा, जिला डूंगरपुर निवासी एएसआई जीवण लाल पटेल को 5,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। मौके से रिश्वत की राशि बरामद कर ली गई है। एसीबी के अनुसार, आरोपी से पूछताछ जारी है और आगे की जांच प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

उदयपुर में आयोजित अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की बैठक में जागरूकता और संगठन विस्तार पर जोर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। "ग्राहकों की सेवा दरिद्र नारायण की सेवा है" — यह बात अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांतीय सह सचिव लक्ष्मीकांत भावसार ने उदयपुर प्रवास के दौरान आयोजित जिला बैठक में कही। उन्होंने कहा कि ग्राहक पंचायत देश का सबसे बड़ा स्वयंसेवी गैर सरकारी संगठन है, जो स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलते हुए राष्ट्रवादी दृष्टिकोण के साथ ग्राहकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक कर उन्हें सशक्त बनाता है।

जागरूक ग्राहक, सशक्त समाज

भावसार ने कहा कि वर्तमान समय में उपभोक्ताओं को जागरूक, संगठित, सशक्त और दक्ष बनाए बिना समाज को शोषणमुक्त करना संभव नहीं। उन्होंने संगठन के कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे समाज में नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्व-बोध और कुटुंब प्रबंधन जैसे विषयों को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। भावसार ने बताया कि संगठन के आगामी सदस्यता अभियान में विक्रेताओं, सेवा प्रदाताओं और प्रशासनिक अधिकारियों को रक्षा सूत्र बांधकर ग्राहक पंचायत के उद्देश्यों से अवगत कराया जाएगा, ताकि उपभोक्ता-सेवा प्रदाता संवाद और सहयोग की भावना सुदृढ़ हो।

प्रांत संगठन मंत्री ने दी अभियान की जानकारी

बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल ने बताया कि 1 अगस्त से राज्यभर में सदस्यता अभियान प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने विस्तार से इसकी योजना कार्यकर्ताओं को समझाई। इस अवसर पर जिला मंत्री नारायण पंचोली, जिला अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, हरीशंकर तिवारी, करण सिंह कटारिया, रमेश जोशी, सूर्य प्रकाश पालीवाल, फतेहलाल पारिक, मांगीलाल भोई, राजेन्द्र स्वर्णकार, महिला संगठन मंत्री संगीता जैन, बड़गांव महिला अध्यक्ष राजू कंवर चौहान, विष्णु जोशी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा का औचक दौराः मेवाड़ यूनिवर्सिटी में एग्रीकल्चर डिप्लोमा घोटाले का पर्दाफाश, FIR की घोषणा

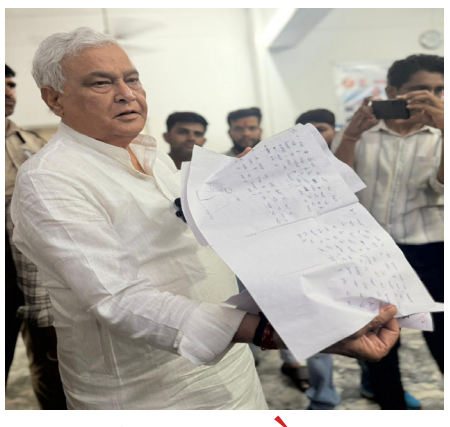

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने मंगलवार को चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार स्थित मेवाड़ यूनिवर्सिटी का औचक निरीक्षण कर वहां चल रहे एग्रीकल्चर डिप्लोमा फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया। मंत्री को शिकायत मिली थी कि यूनिवर्सिटी में छात्रों से पैसे लेकर फर्जी डिग्रियां बांटी जा रही हैं, बिना पढ़ाई के सीधे परीक्षा लेकर उन्हें पास किया जा रहा है।

बिना सूचना पहुंचे यूनिवर्सिटी, छात्रों से की सीधी बात

मंत्री मीणा मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बिना पूर्व सूचना के मेवाड़ यूनिवर्सिटी पहुंचे। उन्होंने वहां B.Sc एग्रीकल्चर के छात्रों से सीधा संवाद किया। मंत्री की अचानक मौजूदगी से यूनिवर्सिटी प्रशासन में हड़कंप मच गया।

शिकायतकर्ता बोला - मैंने उत्तर नहीं लिखा फिर भी फर्स्ट डिविजन में पास कर दिया

बीकानेर के स्वतंत्र बिश्नोई नामक युवक ने मंत्री को लिखित शिकायत दी थी। उसने बताया कि वह कॉमर्स का छात्र है, लेकिन बीकानेर के एक दलाल ने 50,000 लेकर उसे इस यूनिवर्सिटी में डिप्लोमा में एडमिशन दिलवाया। उसने न तो कभी क्लास अटेंड की और न कोई पढ़ाई हुई। सीधे एग्जाम के लिए बुलाया गया और वहीं पर कॉपी हाथोंहाथ जांच कर पास कर दिया गया। स्वतंत्र ने कहा कि "मैंने कुछ लिखा ही नहीं, फिर भी मुझे फर्स्ट डिवीजन में पास कर डिग्री दे दी गई।"

मंत्री बोले - यूनिवर्सिटी की मान्यता नहीं, डिग्रियां फर्जी

कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा ने कहा कि यह डिग्रियां पूरी तरह फर्जी हैं। यूनिवर्सिटी के पास न तो ICAR से मान्यता है और न ही राज्य सरकार की अनुमति से यह कोर्स संचालित किया जा रहा है। ऐसे में इन डिग्रियों से छात्र RPSC, UPSC या किसी सरकारी सेवा में योग्य नहीं माने जाएंगे।

FIR और SOG जांच की घोषणा

मंत्री ने मौके पर ही घोषणा की कि एग्रीकल्चर विभाग के जरिए FIR दर्ज करवाई जाएगी। साथ ही उन्होंने एसओजी (विशेष अभियान समूह) से बात कर पूछताछ का निर्देश दिया कि आखिर एक साल से जांच लंबित क्यों है। मंत्री ने कहा, "जब प्रधानमंत्री किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में काम कर रहे हैं, तब इस तरह की यूनिवर्सिटियां छात्रों और कृषि क्षेत्र के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही हैं।"

एक साल पहले दिया था झूठा शपथ पत्र

मंत्री ने खुलासा किया कि मेवाड़ यूनिवर्सिटी ने एक साल पहले सरकार को शपथ पत्र देकर यह वादा किया था कि वह ICAR से मान्यता लेगी, लेकिन अब तक ऐसा नहीं किया गया। यह स्पष्ट रूप से शपथ पत्र का उल्लंघन और छात्रों के साथ धोखा है।

डबोक थाना क्षेत्र में तालाब में डूबने से 13 वर्षीय बालिका की दर्दनाक मौत, नागरिक सुरक्षा विभाग की रेस्क्यू टीम ने शव किया बरामद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर जिले के डबोक थाना क्षेत्र से सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई, जहां साक्रिया खेड़ी गांव के खेल मैदान के पास स्थित तालाब में डूबने से 13 वर्षीय बालिका की मौत हो गई। मृतका अपनी बहन के साथ बकरियां चराने गई थी, तभी यह दुखद घटना घटित हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, साक्रिया खेड़ी निवासी सुमन कंवर (पुत्री रोहित सिंह), उम्र 13 वर्ष, अपनी छोटी बहन के साथ पास ही के तालाब के निकट बकरियां चरा रही थी। इस दौरान उसका पैर फिसल गया और वह सीधे तालाब में जा गिरी। बहन ने घटना की जानकारी परिजनों और ग्रामीणों को दी, जिसके बाद तत्काल पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग के उप नियंत्रण कक्ष को सूचना दी गई, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए रेस्क्यू टीम को शाम 4:00 बजे उदयपुर से रवाना किया गया। टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। करीब घंटेभर की कोशिश के बाद बालिका के शव को तालाब से बाहर निकाला गया और उसे डबोक थाना पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भिजवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। रेस्क्यू ऑपरेशन में नागरिक सुरक्षा विभाग के गोताखोर नरेश चौधरी, पुरुषोत्तम कुमावत, विजय नकवाल, भवानी शंकर, गोपाल गुर्जर, दिनेश गमेती, मनोज जी सी, तथा वाहन चालक कैलाश मेनारिया शामिल रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस तालाब के आसपास सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। गांव में घटना के बाद शोक की लहर व्याप्त है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।